भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1971
जिसका उत्तर दिनांक 03.07.2019 को दिया जाना है

आंध्र प्रदेश में परमाणु संयंत्र के लिए स्थल

1971. श्री जयदेव गल्ला :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) और न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने आंध्र प्रदेश सरकार से एक परमाणु विद्युत संयंत्र की स्थापना हेतु एक दूसरा तटीय स्थल चिह्नित करने की संभावना के बारे में चर्चा की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या डीएई स्थल चिह्नित करने और रूस द्वारा अभिकल्पित 1000 मेगावाट के दो वॉटर-वॉटर एनर्जेटिक रिएक्टर (वीवीईआर) का निर्माण करने की इच्छुक हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) जी, हाँ ।

(ख) नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए संभावित साइट की उपयुक्तता निर्धारित करने के भाग के रूप में विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययन जैसे भू-तकनीकी जाँच, भूकंप संबंधी अध्ययन इत्यादि विशेषज्ञ एजेंसियों द्वारा किया जाना अपेक्षित है ।

(ग) तथा (घ) भविष्य में नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम के योजनाबद्ध विस्तार और कूलिंग जल की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता और समुद्री मार्ग द्वारा बड़े, भारी उपकरणों का परिवहन आसानी से किए जाने के मद्देनजर तटीय स्थलों के लाभ पर विचार करते हुए रूसी तकनीकी सहयोग से नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को स्थापित किए जाने के लिए आंध्र प्रदेश राज्य में तटीय स्थलों की संभावना की जाँच भी की जा रही है ।

****